- गंगा के उत्तर में बिहार का मैदान - मिथिला का मैदान व दक्षिण में मगध का मैदान

अंग प्राचीन भारत के 16 महाजनपदों में से एक था। इसका सर्वप्रथम उल्लेख अथर्ववेद में मिलता है। बौद्ध ग्रंथो में *अंग* और *वंग* को प्रथम आर्यों की संज्ञा दी गई है। महाभारत के साक्ष्यों के अनुसार आधुनिक भागलपुर, बिहार और बंगाल के क्षेत्र अंग प्रदेश के क्षेत्र थे। इस प्रदेश की राजधानी चम्पापुरी थी। [क] यह जनपद मगध के अंतर्गत था। प्रारंभ में इस जनपद के राजाओं ने ब्रह्मदत्त के सहयोग से मगध के कुछ राजाओं को पराजित भी किया था किंतु कालांतर में इनकी शक्ति क्षीण हो गई और इन्हें मगध से पराजित होना पड़ा।[1]

महाभारत काल में यह कर्ण का राज्य था। इसका प्राचीन नाम मालिनी था। इसके प्रमुख नगर चम्पा (बंदरगाह), अश्वपुर थे।

मगध एवं अंग का मैदान किसके हिस्से हैं?

(A) ऊपरी गंगा का मैदान

(B) मध्य गंगा का मैदान

(C) निम्न गंगा का मैदान

(D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

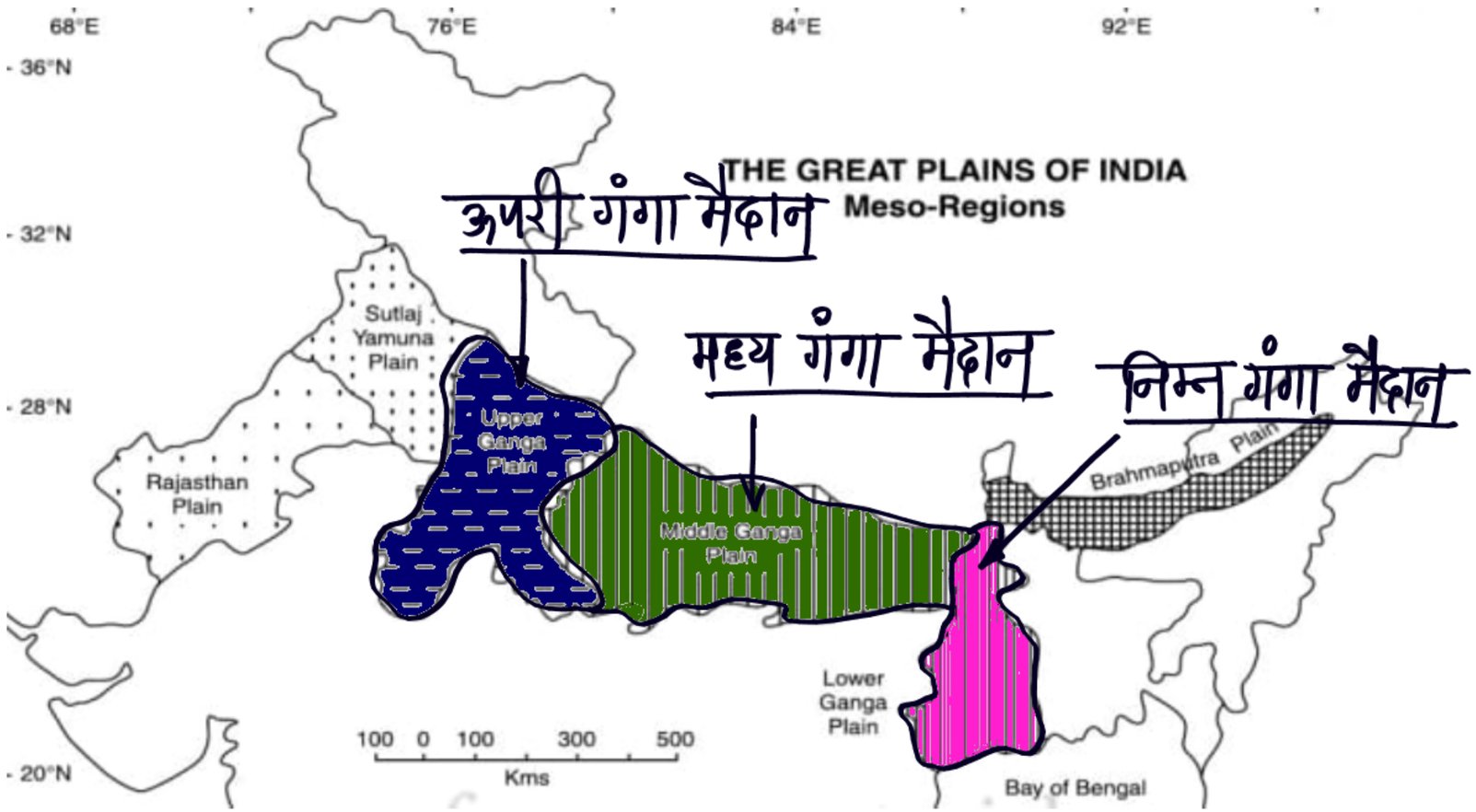
THE GREAT PLAINS OF INDIA
Meso-Regions
ऊपरी गंगा मैदान
मध्य गंगा मैदान
निम्न गंगा मैदान
68°E
76°E
84°E
92°E
36°N
32°N
28°N
20°N
Sutlaj Yamuna Plain
Upper Ganga Plain
Middle Ganga Plain
Lower Ganga Plain
Rajasthan Plain
Brahmaputra Plain
100 0 100 300 500
Kms
Bay of Bengal

- कपिलधारा जलप्रपात मध्य प्रदेश के अमरकंटक जिले में स्थित है।
- इसका नाम हिंदू दर्शन के सांख्य विद्यालय के संस्थापक ऋषि कपिला के नाम पर रखा गया।

मांडवी या मंडोवी

- गोवा में स्थित दूधसागर झरना एक झरना है जो मंडोवी नदी द्वारा बनाया गया है।
- झरने में 4 स्तरीय और 310 मीटर की ऊंचाई है।
- यह गोवा और कर्नाटक के बीच की सीमा बनाता है और भगवान महावीर अभयारण्य और मोल्लेम राष्ट्र पार्क में स्थित है।
- गोवा की राजधानी पणजी है।

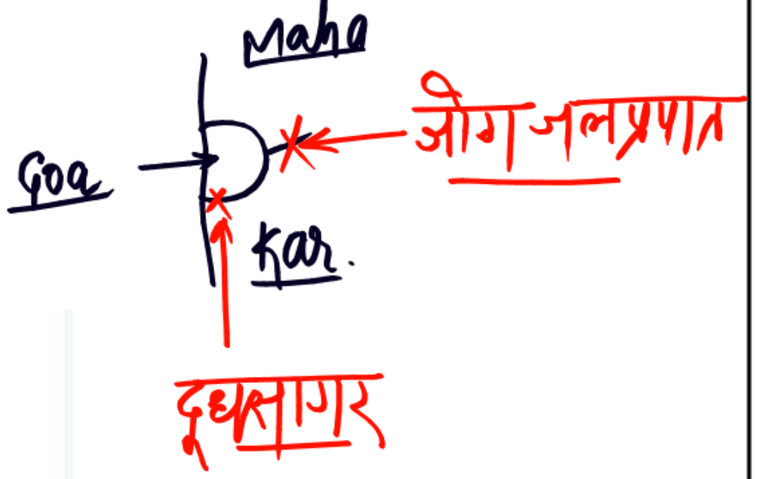

जलप्रपात और नदी के निम्नलिखित जोड़ों में से कौन-सा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

(A) जोग—शरावती ✓

(B) कपिलधारा—कावेरी ✗

(C) धुआँधार—गोदावरी ✗

(D) उपर्युक्त में से एक से अधिक ✓

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

बरकाना जलप्रपात

ऊंचाई (मीटर): 259

ऊंचाई (फीट): 850

स्थान: शिमोगा जिला, कर्नाटक

धुआंधार

नर्मदा पर कपिलधारा जलप्रपात भी

धुआंधार प्रपात मध्य प्रदेश के जबलपुर के निकट एक बहुत ही सुंदर जलप्रपात है। भेड़ाघाट में जब नर्मदा नदी की ऊपरी धारा विश्व प्रसिद्ध संगमरमर के पत्थरों पर गिरती है, तो जल की सूक्ष्म बूंदों से एक धुए जैसा झरना बन जाता है, इसी कारण से इसका का नाम धुआंधार प्रपात रखा गया है। यह प्रपात नर्मदा नदी का जल प्रपात है, जो जबलपुर से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

हुन्डरु	झारखण्ड
कपिलधारा, धुन्धर	**मध्य प्रदेश**
एलीफेंटा, नोह्कलिकई	मेघालय
जोगिनी झरना, भागसुनाग झरना	हिमाचल प्रदेश
अथिरापल्ली	केरल
जोग, शिवसमुद्रम, कुंचिकल, मगोद, हेब्बे	कर्नाटक
राजरप्पा, हुंडरू	झारखण्ड
एन्ना	महाराष्ट्र
जोरांडा, बरहीपानी	उड़ीसा
पायकारा, थलाइयर, होजनक्कल	तमिल नाडु
कंचनजंगा	सिक्किम
दूधसागर	गोवा

जोग वाटर फॉल

जोग जल प्रपात महाराष्ट्र और कर्नाटक की सीमा पर शरावती नदी पर है। यह चार छोटे-छोटे प्रपातों राजा, राकेट, रोरर और दाम ब्लाचें से मिलकर बना है। इसका जल 250 मीटर की ऊंचाई से गिरकर बड़ा सुंदर दृश्य उपस्थित करता है। इसका एक अन्य नाम जेरसप्पा भी है। जोग जल प्रपात दक्षिण भारत का एक जल प्रपात है। यह पश्चिमी घाट की पर्वतमाला में आता है।

चित्रकोट वाटर फॉल

चित्रकोट जलप्रपात भारत के छत्तीसगढ़ प्रदेश मे स्थित एक जलप्रपात है। इस जल प्रपात की ऊंचाई 90 फुट है। जगदलपुर से 39 किमी. दूर इंद्रावती नदी पर यह जलप्रपात बनता है। अपने घोड़े की नाल समान मुख के कारण इस जाल प्रपात को भारत का निआग्रा भी कहा जाता है ।

अब्बे जल प्रपात

अब्बे जल प्रपात कर्नाटक के कोडगु जिला के मुख्यालय मदिकेरी के निकट स्थित है। यह खूबसूरत जलप्रपात मदिकेरी से लगभग 5 किमी. की दूरी पर है। एक निजी कॉफी बागान के भीतर यह झरना स्थित है। पर्यटक बड़ी संख्या में इस स्थान पर आते हैं। मॉनसून के दिनों में यहां की सुंदरता देखते ही बनती है।

केंपटी फॉल ★

केंपटी भारत के उत्तराखंड प्रदेश मे स्थित एक जलप्रपात है। इस जल प्रपात की ऊंचाई 40 फुट है। केंपटी जलप्रपात देहरादून से 20 किमी एवं मसूरी से 15 किमी दूर हैं।

दुधसागर

दुधसागर भारत के गोवा प्रदेश मे स्थित एक जलप्रपात है। इस जल प्रपात की ऊंचाई 1031 फुट है।

जोग जल प्रपात 253 मी ऊंचा - भारत का सर्वोच्च जलप्रपात है

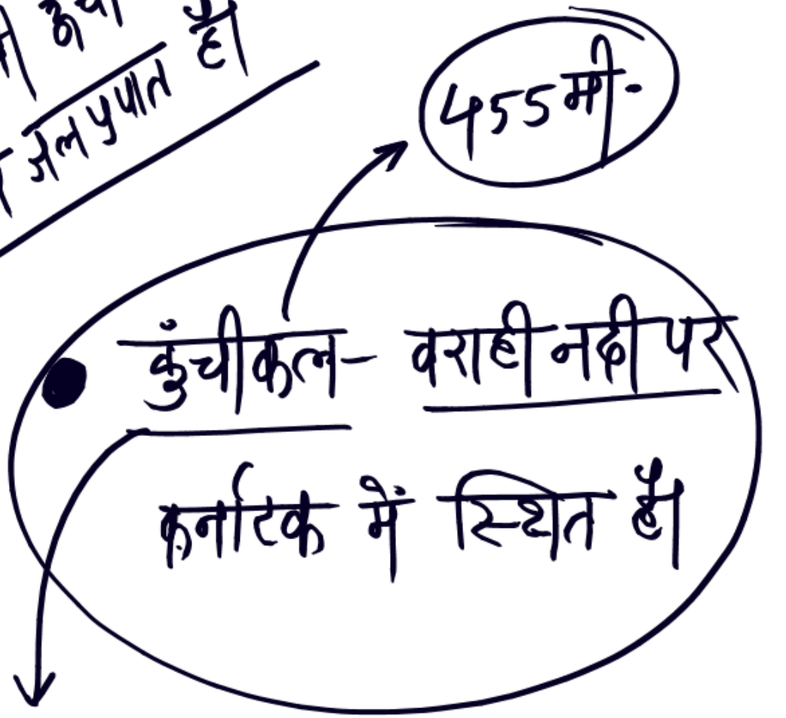

According to BPSC कुंचीकल भारत का सर्वोच्च जलप्रपात है।

- कोसी बहुउद्देशीय परियोजना-
  - यह भारत और नेपाल सरकार की संयुक्त जल परियोजना है।
  - इसे 1954 में भारत सरकार और नेपाल सरकार द्वारा एक समझौते के तहत बनाया गया था, जिसे 1961 में फिर से संशोधित किया गया था।
- इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है - बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई, जल विद्युत उत्पादन और भमि संरक्षण आदि।
- यह परियोजना मुख्य रूप से 2 भागों में विभाजित है।

1. पूर्व कोसी नहर प्रणाली
   - इस नहर प्रणाली से बिहार के मधेपुरा, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार आदि जिलों में सिंचाई की जाती है
   - इसकी कुल लंबाई 44 किलोमीटर है।
2. पश्चिमी कोसी नहर प्रणाली
   - इस नहर प्रणाली से बिहार के मधुबनी, दरभंगा, मुजफ्फरपुर आदि जिलों में सिंचाई की जाती है।
   - इसकी कुल लंबाई 115 किलोमीटर है।

1954 में किन दो देशों के बीच कोसी सिंचाई एवं जलविद्युत् परियोजना समझौता हस्ताक्षरित हुआ था?

(A) भारतवर्ष और बांग्लादेश

(B) भारतवर्ष और चीन

(C) भारतवर्ष और नेपाल

(D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

- ✔ कपास भारत में खेती की जाने वाली सबसे प्रमुख व्यावसायिक फसलों में से एक है और **यह कुल वैश्विक कपास उत्पादन का लगभग 25%** है।
  - भारत में इसके आर्थिक महत्त्व को देखते हुए इसे **'व्हाइट-गोल्ड'** भी कहा जाता है।
- ✔ भारत में लगभग **67% कपास वर्षा आधारित क्षेत्रों में और 33% सिंचित क्षेत्रों में उगाया** जाता है।

भारत में कपास की सभी चार प्रजातियाँ; **गॉसिपियम अर्बोरियम और हर्बेशियम** (एशियाई कपास), **जी.बारबाडेंस** (मिस्र कपास) तथा **जी. हिर्सुटम** (अमेरिकी अपलैंड कपास) उगाई जाती हैं।

कपास का अधिकांश उत्पादन दस प्रमुख कपास उत्पादक राज्यों में किया जाता है, जिन्हें निम्नानुसार तीन विविध **कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों** में विभाजित किया गया है:

- ✔ **उत्तरी क्षेत्र**: पंजाब, हरियाणा और राजस्थान
- ✔ **मध्य क्षेत्र**: गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश
- ✔ **दक्षिणी क्षेत्र**: तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु

कृषि रिपोर्ट, 2017 के मुताबिक, भारत विश्व में _____ उत्पादन का दूसरा बड़ा देश था।

(A) चावल

(B) कपास

(C) गन्ना

(D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

कोडरमा

- झारखंड के हजारीबाग जिले में कोडरमा क्षेत्र की अभ्रक खदानें एक इकाई के रूप में दुनिया में मस्कोवाइट (स्थानीय रूप से "रूबी अभ्रक" के रूप में जाना जाता है) की सबसे बड़ी मात्रा में योगदान करती हैं।
- कोडरमा जिला प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। क्वार्टज, फेल्डस्पार, एस्बेस्टस, ब्लूस्टोन, व्हाइट स्टोन और मूनस्टोन यहां पाए जाने वाले खनिज हैं।

भारत का अभ्रक रिजर्व

- आंध्र प्रदेश (41 प्रतिशत)
- राजस्थान (21 प्रतिशत)
- ओडिशा (20 प्रतिशत)

अभ्रक का अयस्क → मस्कोवाइट (रूबी अभ्रक)

झारखण्ड का कोडरमा निम्नलिखित में से किस खनिज का प्रमुख उत्पादक है?

(A) बॉक्साइट

(B) अभ्रक Mica

(C) लौह

(D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

- सरदार सरोवर परियोजना गुजरात के नवगाम के पास केवड़िया में नर्मदा नदी पर एक ठोस गुरुत्वाकर्षण बांध है।
- यह बांध बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए कंक्रीट की मात्रा के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कंक्रीट बांध है (संयुक्त राज्य अमेरिका में ग्रैंड कौली बांध के बाद)।
- इसमें बड़ी सिंचाई और जलविद्युत बहुउद्देश्यीय बांधों की एक श्रृंखला शामिल है।
- सिंचाई का लाभ राजस्थान और गुजरात राज्यों को मिलता है जबकि एसएसपी की जलविद्युत शक्ति गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों द्वारा साझा की जानी है। महाराष्ट्र को उत्पादित बिजली का लगभग 57 प्रतिशत प्राप्त करना है; मध्य प्रदेश को करीब 27 फीसदी और गुजरात को करीब 16 फीसदी मिलेगा.
- इसे विश्व बैंक द्वारा अपने पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD) के माध्यम से वित्त पोषित किया गया था, हालाँकि इसे 1994 में वापस ले लिया गया था।

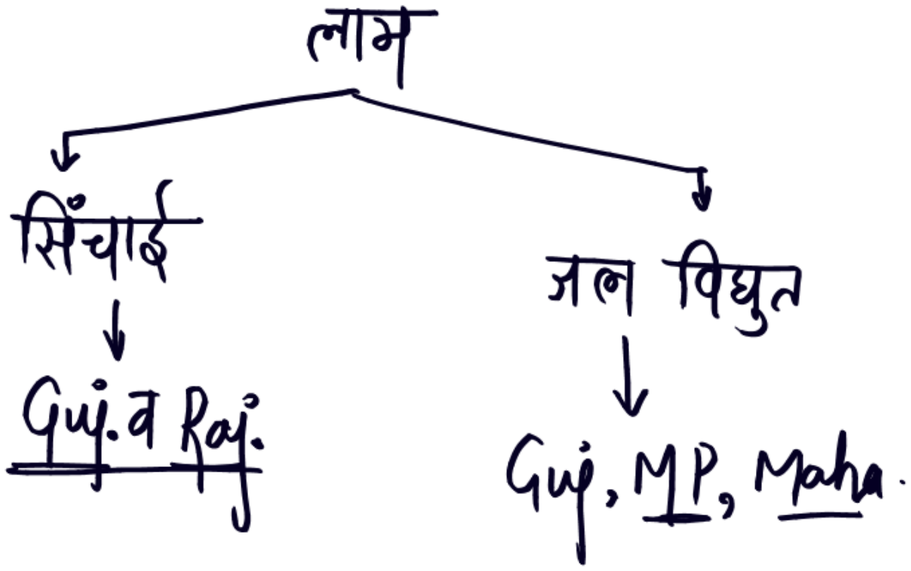

सरदार सरोवर बाँध निम्नलिखित में से किन राज्यों को कवर करता है?

(A) गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश

(B) गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं गोआ ✗

(C) गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र एवं पंजाब ✗

(D) उपर्युक्त में से एक से अधिक

(E) उपर्युक्त में से कोई नहीं

नर्मदा की लवणता को कम करना

भरौंच बांध

उच्च ज्वार के समय लवणीय जल लगभग 27 km अंदर तक प्रवेश करता है

इसी के आगे साधुबेट द्वीप पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बना है

बरगी बांध, MP

Narmada

MP की जीवन रेखा